विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -18- 10-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -13 संगति का प्रभाव नामक कहानी के बारे में अध्ययन करेंगे ।

एवं प्रश्नों के उत्तर दें।

कल आप सभी ने पढ़ा था इस कहानी को आज उसके आगे अध्ययन करेंगे।

उधर मट्टू भटकते- भटकते एक नीम के पेड़ पर पहुंचा और उसके खोखर में छिपकर बैठ गया ।

तूफान शांत होने पर उसने देखा कि वह नीम का पेड़ एक घर के आंगन में है उस घर में एक भिखारी रहता था ।

वह दिन-रात गालियां बकता "अरे चांडाल । यहां क्यों खड़ा है , भाग यहां से नहीं तो जूते लगाऊंगा।

भिखारी की बातें सुन सुनकर मट्टू भी उन्हें दोहराने लगा एक दिन भिखारी ने पैसे के लालच में मट्ठू

को पकड़कर एक सिपाही को बेच दिया ।

घर आकर सिपाही ने मट्टू का हाथ पर बैठाकर प्यार से सहलाया तो मट्टू बोला , "चांडाल । भाग यहां से नहीं तो जूते लगाऊंगा ।

ऐसे अपशब्द सुनकर सिपाही को क्रोध आ गया और उसने तोते की गर्दन मरोड़ कर उसे बाहर फेंक दिया।

कट्टू मट्टू के माता-पिता अपने बच्चों की तलाश में भटकते - भटकते उसी समय वहां आ पहुंचे ।

मट्टू ने टूटती सांसों में सारी कथा सुनाई और मां की गोद में प्राण त्याग दिए ।कुछ ही दिनों बाद उन्हें साधु की कुटिया के पास कट्टू भी दिखाई दे गया ।

उन्होंने देखा सब उनके कटु को बहुत प्यार दुलार कर रहे हैं खाने को अच्छी-अच्छी चीजें दे रहे हैं दोनों की आंखें प्रसन्नता से भर आई दूर से ही उन्होंने कट्टू को आशीर्वाद दिया ।और अपने बसेरे की ओर उड़

चले दोनों एक ही बात सोच रहे थे संगति का कितना गहरा प्रभाव होता है सत्संगति में रहकर अच्छी-अच्छी बातें सीखने को मिलती है जिससे जीवन आनंद से भर जाता है । दूसरी ओर जो कुसंगति में फंस जाता है उसे दुख भोगना पड़ता है ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए

(1) तोतों के परिवार को अपना घर क्यों छोड़ना पड़ा ?

(2) कट्टू उड़कर कहां पहुंचा ?

(3) कट्टू ने क्या-क्या बोलना सीखा ?